उच्च माध्यमिक स्तर पर विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य, आत्म–प्रभावकारिता और शैक्षिक निष्पादन पर सोशल नेटवर्किंग के प्रभाव का अध्ययन

फाउंडेशन ऑफ़ एजुकेशन विषय से पी-एच.डी.की उपाधि हेतु प्रस्तुत

शोध प्रबंध की रूपरेखा

शोधार्थी

दिलीप

शोध निर्देशक

प्रोफे.पी.एस.त्यागी

फाउंडेशन ऑफ़ एजुकेशन, शिक्षा संकाय

दयालबाग एजुकेशनल इंस्टीट्यूट (डीम्ड यूनिवर्सिटी)

दयालबाग, आगरा – 282005

2022

1.1.0. प्रस्तावना

मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है,जो समाज में रहकर ही अपना विकास कर सकता है। मानव के विकास में शिक्षा का स्थान सर्वोपरि माना जाता है, इस प्रकार समाज का शिक्षा से घनिष्ठ संबंध है और समाज अपनी आवश्यकताओं, आकांक्षाओं एवं आदर्शो के प्राप्ति की चेष्टा करता है साथ ही साथ समाज व्यक्ति को अपना उपयोगी एवं श्रेष्ठ सदस्य बनाने का भी प्रयत्न करता है। यह कार्य तभी सम्भव है, जब व्यक्ति समाज के साथ अनुकूलन प्राप्त कर ले और समाज की मान्यताओं एवं मूल्यों के अनुरूप अपने व्यवहार में परिवर्तन कर ले। शिक्षा इस कार्य में व्यक्ति की सहायता करती है। समाजशास्त्र में 'समाज' शब्द का प्रयोग जनसाधारण द्वारा लगाए गए अर्थों में नहीं होता, वरन यह एक विशिष्ट अर्थ को प्रतिपादित करता है। समाजशास्त्र एक विज्ञान है तथा विज्ञान होने के नाते इनकी अपनी एक शब्दावली है। वैज्ञानिक शब्दावली में प्रत्येक शब्द को विशिष्ट अर्थ में प्रयोग किया जाता है। समाज भी इसी प्रकार का एक शब्द है जिसका संबंध समाजशास्त्र की शब्दावली से है। इस नाते न केवल इसका स्पस्ट अर्थ है, अपितु इसके विभिन्न पक्षों के बारे में भी किसी प्रकार का संदेह नहीं है। समाजशास्त्र में 'समाज' शब्द का प्रयोग सामाजिक संबंधों के ताने-बाने के लिए किया जाता है। इस दृष्टिकोण से समाज एक मूर्त संगठन नही है, अपितु सामाजिक संबंधों की एक अमूर्त व्यवस्था मात्र है। सामाजिक संबंध कम से कम दो व्यक्तियों की बीच स्थापित होते है। जिसमें यह अनिवार्य है कि वे व्यक्ति एक दूसरे के अस्तित्व के प्रति जागरूक हों तथा परस्पर अंतःक्रिया भी करते हों।

इकीसवीं सदी को हम मीडिया की सदी कहें तो कोई अतिश्योक्ति नही होगी। शिक्षा के इस क्षेत्र में नित नए आयामों द्वारा शिक्षा जगत में महत्वपूर्ण उपलब्धियों का पहाड़ सा खड़ा कर दिया, जिसमें मीडिया की लोकप्रियता सर्वत्र छायी रही। संभवतः अख़बार ही पहला जनसम्पर्क माध्यम था, जिसमें मल्टीमीडिया का प्रयोग हुआ । मार्कोनी ने (1885) में बेतार रेडियो संदेश भेजा था फिर 1901 में टेलीग्राफ का प्रयोग रेडियो द्वारा शुरू हुआ, आज भी रेडियो तरंग ऑडियो प्रसारण में प्रयोग हो रहा है। शुरुआती दौर में सोशल नेटवर्किंग एक सामान्य सी दिखने वाली साइट होती थी। इससे उपयोगकर्ता एक दूसरे से चैटरूम के जरिये बात करते थे और अपने निजी विचार एवं जानकारी एक दूसरे के साथ साझा करते थे । नब्बे के दशक से इन साइट्स में बदलाव आया और इसमें ऑनलाइन गेम्स, विज्ञान फोटो वीडियो, संगीत शेयरिंग, चैटिंग,

ऑनलाइन डेटिंग जैसी विभिन्न सुविधाएँ बढ़ी । भारत में सबसे ज्यादा प्रयोग होने वाली सोशल साइट्स में फेसबुक, यूटयूब व ट्विटर शामिल है ।

आज के इस दौर में सोशल नेटवर्किंग हमारे जीवन का अभिन्न अंग बन गया है। आज के दौर मे यदि आपको कोई बात जनता के बीच आसानी से एवं शीघ्र पहुंचानी है, तो बस उसे सोशल नेटवर्किंग साइट्स पर शेयर कर दीजिए ,जहाँ सोशल नेटवर्किंग साइट्स अपने मित्रों से मिलने का एक बहुत अच्छा साधन है। वहीं दूसरी ओर यहाँ आप किसी गंभीर मुद्दे पर चर्चा भी कर सकते है और लोगों की राय भी ले सकते है । आज कल तो बड़े-बड़े आंदोलन भी सोशल नेटवर्किंग से ही शुरू हो रहे है । वर्तमान में जैसे-भारत का किसान आंदोलन।

1.1.1. सोशल नेटवर्किंग

सोशल नेटवर्किंग को व्यक्तिगत संपर्कों के माध्यम से सोशल संपर्कों के विस्तार के अभ्यास के रूप में परिभाषित किया जा सकता है। सोशल नेटवर्किंग दोस्तों, परिवार सहपाठियों और ग्राहकों के साथ संबंध बनाने के लिए इंटरनेट आधारित सोशल मीडिया कार्यक्रम है। इस तरह की नेटवर्किंग सदियों से होती आ रही है यह अब और अधिक लोकप्रिय हो गई है। इंटरनेट कनेक्शन ने इस बात को बढ़ावा दिया है। कि सामाजिक संबंध बनाए जाते हैं। वेब आधारित समूह अब सोशल नेटवर्किंग का आधार है और वे सभी कनेक्शन की आवश्यकता के लिए स्थापित है। इंटरनेट के माध्यम से नेटवर्किंग के बारे में अच्छी बात यह है कि भौगोलिक बाधाओं या दूरी के मुद्दों को समाप्त कर दिया गया है। सोशल नेटवर्किंग वेबसाइटों को जोड़ने और उन दोस्तों को आमंत्रित करने के लिए काम करती है। जो बदले में अपने दोस्तों को आमंत्रित करते हैं तथा संपर्कों की एक अंतहीन श्रृंखला बनाते हैं। यह सभी साइट्स सभी भाषाओं में उपलब्ध होती हैं अर्थात भाषा की किसी भी प्रकार की कोई बाध्यता नहीं होती है।

फेसबुक उपयोगकर्ताओं के लिए पर्सनल लोकेशन शेयर करने और दोस्तों के साथ जुड़ने, छायाचित्र साझा करने, फिल्में साझा करने, जो आप कर रहे हैं उसके बारे में बात करने आदि के लिए एक लोकप्रिय गंतव्य है। , ट्विटर एक बहुभाषी निजी सोशल नेटवर्किंग साइट है। जो अपने उपयोगकर्ताओं को अपने फोन इत्यादि से 140

अक्षरों की पोस्ट करने की अनुमति देती है। संपूर्ण संसार में क्या हो रहा है। इसकी जानकारी पाने का एक सबसे शानदार तरीका है। , व्हाट्सएप एक प्रकार का त्वरित संदेश भेजने और प्राप्त करने वाला मोबाइल ऐप है। इसमें लोग अपने मोबाइल के द्वारा पाठ्य संदेश के साथ-साथ आवाज,छवि और जीपीएस के द्वारा अपना पता भी भेज सकते हैं। इसके द्वारा वॉइस और वीडियो कॉल भी किया जा सकता है। यूट्यूब एक वीडियो होस्टिंग सेवा है। इसमें पंजीकृत सदस्य वीडियो क्लिप देखने के साथ ही साथ अपना वीडियो अपलोड भी कर सकते हैं। , इंस्टाग्राम फेसबुक द्वारा विकसित एक सामाजिक नेटवर्किंग साइटस है। यह एक फोटो शेयरिंग सेवा और आइफोन , एन्डरोइड और विंडोज फोने प्लेटफोर्मों के लिए उपलब्ध एप्लीकेशन है।

1.1.2. मानसिक स्वास्थ्य

मानव एक मनो-शारीरिक प्राणी है। उसका व्यवहार शारीरिक तथा मानसिक दोनों प्रकार के अनेक कारकों पर निर्भर रहता है इसलिए स्वास्थ्य से अभिप्रायः केवल शारीरिक स्वास्थ्य से नहीं होता वरन शारीरिक तथा मानसिक दोंनो ही प्रकार के स्वास्थ्य से होता है जैसा कि शब्दों से स्पष्ट है कि मानसिक स्वास्थ्य शब्द युग्म मानसिक तथा स्वास्थ्य नामक दो शब्दों से मिलकर बना है। मानसिक शब्द व्यक्ति के मन,मस्तिष्क या मनोविज्ञान से संबंधित है जबकि स्वास्थ्य उससे समन्वित ढंग से कार्य करने की स्थिति को इंगित करता है। अतः मानसिक स्वास्थ्य पद से अभिप्राय व्यक्ति के मन,मस्तिष्क या अन्तः करण की अपनी पूरी क्षमता के साथ सकारात्मक ढंग से कार्य करने की स्थिति से है। हैडफील्ड ने बताया कि सामान्य भाषा में हम कह सकते हैं कि मानसिक स्वास्थ्य सम्पूर्ण व्यक्तित्व की समन्वित क्रियाशीलता है।

1.1.3. आत्म-प्रभावकारिता

आत्म-प्रभावकारिता का अर्थ है विशिष्ट कार्य करने की क्षमता के बारे में निर्णय। शिक्षकों को प्रौद्योगिकी के साथ पढ़ाने के लिए तैयार करते समय आत्म-प्रभावकारिता विश्वास ऐसा उपाय प्रदान कर सकता है। आत्मप्रभावकरिता एक विशेष क्रिया को करने के लिए आत्म-विश्वास का अर्थ है। महात्मा गाँधी ने बताया अगर मुझे विश्वास है कि मैं इसे कर सकता हूँ, तो मैं निश्चित रूप से इसे करने की क्षमता हासिल कर लूंगा, भले ही यह मेरे पास शुरुआत में न हो।”

1.1.4. शैक्षिक निष्पादन

शैक्षिक निष्पादन वर्तमान में समाज की नींव बन गया है। अक्सर शैक्षिक उपलब्धि शब्द का प्रयोग छात्रों के शैक्षिक निष्पादन को परिभाषित करने के लिए किया जाता है।गॉफ (1959), विस्वास और अग्रवाल (1972) और गुड (1959) ने शैक्षिक निष्पादन के रूप में शैक्षिक विषय में प्राप्त ज्ञान और अर्जित कौशल पर जोर दिया है। छात्र परीक्षा में अंको या ग्रेड परीक्षा शैक्षिक विषयों में अर्जित ज्ञान और कौशल का प्रतिबिम्ब है जिसे शैक्षिक निष्पादन के रूप मे जाना जाता है। परीक्षा परिणाम आम तौर पर स्थिति निर्धारित करते हैं अन्य विद्यार्थियों की तुलना में प्राप्त कौशल या ज्ञान के संबंध में छात्र यह स्कूली शिक्षा के विषय में छात्रों द्वारा प्रदर्शित क्षमता को दर्शाता है। मेहता(1969)ने बताया है कि प्रदर्शन शब्द एक व्यापक शब्द है जिसमे किसी व्यक्ति के अकादमिक प्रदर्शन के साथ-साथ सह पाठयचर्या दक्षता भी शामिल है । उपलब्धि एक छात्र का का सीखने का परिणाम है। जो व्यक्ति के प्रदर्शन में शामिल होता है।

1.2.0. समस्या का प्रादुर्भाव

आज के युग को मीडिया का दौर कह सकते हैं सोशल मीडिया में स्वयं की सक्रिय भागीदारी होती है, जिससे व्यक्ति अधिक अपनापन महसूस करता है। वह खुलकर अपने विचारों का आदान प्रदान करता है । सोशल नेटवर्किंग की ही देन है कि फेसबुक को विश्व का सर्वाधिक लोकप्रिय साइट कहा जाता है सोशल नेटवर्किंग के द्वारा हम अपने संपर्कों का दायरा बढ़ाते हुए अधिक से अधिक लोगों तक अपने विचारों का आदान-प्रदान कर सकते हैं।

सोशल नेटवर्किंग एक विशाल नेटवर्क है जो कि सारे संसार को जोड़ें रखता है । यह संचार का एक बहुत अच्छा माध्यम है। यह द्रुत गति से सूचनाओं का आदान प्रदान करता है। सोशल नेटवर्किंग एक तरह से दुनिया के विभिन्न कोनों में बैठे उन लोगों से संवाद है। जिनके पास इंटरनेट की सुविधा है इसके जरिए ऐसा महत्वपूर्ण औजार पूरी दुनियां के लोगों के हाथ लगा है । जिसके सहारे व्यक्ति न सिर्फ अपनी बातों को दुनियां के सामने रखते हैं, बल्कि सेल्फी, बहुत सारी घटनाओं की तस्वीरें भी हजारों लोगों तक महज एक क्लिक की सहायता से पहुंचा सकता है । अब तो सोशल नेटवर्किंग सामान्य संपर्क संवाद या मनोरंजन से इतर रोजगार,नौकरी ढूंढने उत्पादों या लेखन के प्रचार प्रसार आदि में भी सहायता करता है । पिछले दो दशकों से सोशल नेटवर्किंग ने हमारी जीवन शैली को पूरी तरह से बदल कर रख दिया और हमारी जरूरतों कार्य

प्रणालियों यहां तक कि हमारे सामाजिक मेल मिलाप और संबंधों का सूत्रधार भी किसी हद तक सोशल नेटवर्किंग है । यह सामाजिक संबंधों के ताने-बाने को रचने में सोशल नेटवर्किंग की भूमिका आज भी किसी हद तक है । अंततोगत्वा शोधार्थी के मस्तिष्क पटल पर कुछ प्रश्नों का प्रादुर्भाव होना स्वाभाविक है।

(1) क्या विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य पर सोशल नेटवर्किंग का प्रभाव पड़ता है?

(2) क्या विद्यार्थियों की आत्म-प्रभावकारिता को सोशल नेटवर्किंग प्रभावित करता है?

(3) क्या विद्यार्थियों के सोशल नेटवर्किंग प्रयोग द्वारा शैक्षिक निष्पादन प्रभवित होता है?

(4) क्या विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य,आत्म-प्रभावकारिता,शैक्षिक निष्पादन पर सोशल नेटवर्किंग साइट्स हेतु प्रदत्त समय का प्रभाव पड़ता है?

(5) क्या विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य,आत्म-प्रभावकारिता,शैक्षिक निष्पादन पर सोशल नेटवर्किंग साइट्स के विभिन्न प्रकार का प्रभाव पड़ता है?

इन्हीं प्रश्नों के समाधान हेतु शोधार्थी ने प्रस्तुत समस्या का अध्ययन हेतु चयन किया है?

1.3.0.अध्ययन का औचित्य

शोधार्थी द्वारा शोधकार्य से संबंधित उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों में सोशल नेटवर्किंग का उनके मानसिक स्वास्थ्य,आत्म-प्रभावकारिता और शैक्षिक निष्पादन पर पूर्व में हुए शोध कार्यों का अध्ययन किया है। जिससे प्राप्त वर्तमान शोध से संबंधित साहित्य का पुनरावलोकन इस प्रकार है।

संतोष कुमार एस(2020), ने "ऑनलाइन सोशल नेटवर्क में अफवाहों को पहचानने और नियंत्रित करने की प्रभावी तकनीक" का अध्ययन कर यह निष्कर्ष दिया कि चयनित आबादी को समय-समय पर सोशल नेटवर्क से अफवाह को खत्म कर देगी और अफवाह मुक्त संतुलन तैयार करेगी साथ ही इस तुलना से पता चलता है कि पल्स टीकाकरण किसी व्यक्ति के औसत संक्रमण समय को काफी हद तक कम कर देता है। कुल मिलाकर,यह शोध समय-समय पर टीकाकरण पर विचार करने पर कुछ रोशनी डालता है। जिससे ऑनलाइन सोशल नेटवर्क से अफवाह पर अंकुश लगाने में मदद

मिलेगी।

इस्माइल अबूरागागा,मेरी अगोई,इस्लाम ऐल्गेडोवी(2020), ने "एक प्रौद्योगिकी स्वीकृति मॉडल के माध्यम से लीबिया उच्च शिक्षा में सामाजिक नेटवर्क उपकरणों के संकाय के उपयोग के आकलन" का अध्ययन किया जिसके परिणाम बताते हैं कि गोपनीयता संस्थागत समर्थन कथित उपयोगिता और उपयोग में आसानी से व्यावहारिक इरादे पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ता है। इसके अतिरिक्त उपयोग में आसानी से व्यावहारिक इरादे ने सामाजिक नेटवर्क के वास्तविक उपयोग की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

त्रिपाठी दुर्गा (2019), ने "व्यक्तित्व और लिंग के एक कार्य के रूप में सोशल नेटवर्किंग निर्भरता व्हाट्सएप,सेल्फी एवं लिंक्डइन" का एक अध्ययन के निष्कर्ष में पाया कि व्हाट्सएप सेल्फी और लिंक्डइन पर स्वतंत्र रूप से समय बिताने के आधार पर सोशल नेटवर्किंग भी संयुक्त रूप से इंजीनियरिंग छात्रों और उनके लिंग के बड़े पांच व्यक्तित्व (न्यूरोटिक, एक्स्ट्रा वर्श, ओपननेस, कर्तव्य निष्ठा और सहमतता से महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित होते हैं ।

फैमिल्ड जोसेफिन जे० एस० (2015), ने"वायरलेस सेंसर नेटवर्क के लिए कैशिंग के साथ सोशल नेटवर्क रूटिंग" का अध्ययन किया और पाया कि यह शोध मुख्य रूप से एकीकृत सोशल नेटवर्क रूटिंग पर केंद्रित है (एस ओ एन आर) प्रोटोकॉल जो संदेशों को केवल अच्छे प्रतिष्ठित मित्र नोड्स के माध्यम से रूट करता है। सिमुलेशन परिणाम बताते हैं कि एकीकृत सोशल नेटवर्क रूटिंग प्रोटोकोल की संदेश वितरण आधारित प्रतिष्ठा प्रणाली की वितरण संभावना एकीकृत सोशल नेटवर्क रूटिंग प्रोटोकॉल की पावती प्रणाली की तुलना में 30% बेहतर है । खराब नोड्स को अच्छे नोड्स के रूप में वर्गीकृत करने का प्रतिशत बहुत कम है।

नील मैक्रोल व केविन करन(2015), ने "शिक्षा में सोशल नेटवर्किंग" का अध्ययन किया और पाया कि सोशल नेटवर्किंग एक विकासशील तकनीक है जो सिर्फ एक अवकाश सुविधा से कहीं अधिक होने की कगार पर है हालांकि शिक्षक इन उपकरणों की पूरी क्षमता का फायदा उठाने में विफल हो रहे हैं और बस उन्हें मौजूदा प्रथाओं को प्रतिबिंबित करने के लिए उपयोग कर रहे हैं इन उभरती प्रौद्योगिकियों की नवीनता शिक्षकों की समझ की कमी और वर्तमान शिक्षा प्रणालियों के भीतर की सीमाएं इन उपकरणों के खराब उपयोग के लिए जिम्मेदार हैं । नई तकनीकों के बारे में शिक्षण स्टाफ को सूचित

करने के लिए प्रशिक्षण और समर्थन संरचनाएं स्थापित की जानी चाहिए और शैक्षिक वातावरण में उनके संभावित अनुप्रयोग को स्पष्ट रूप से प्रदर्शित करना चाहिए।

मुदिराज जी0 दीपिका (2017), ने "स्टडी ऑन मेंटल हेल्थ एंड क्वालिटी ऑफ़ वर्क लाइफ एमोंग टीचर्स वर्किंग इन कार्पोरेट स्कूल्स" पर अध्ययन किया जिसमें पाया कि मानसिक स्वास्थ्य एवं कार्य जीवन की गुणवत्ता के मध्य कम किंतु सार्थक संबंध पाया गया। साथ ही यह भी देखा गया कि कार्य जीवन की गुणवत्ता से संबंधित दस कारकों में से तीन कारकों का प्रभाव कार्पोरेट विद्यालयों के शिक्षकों के मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ता है ।

विंसी, डी0 और डॉक्टर एन पुगलेंथी (2016), ने "स्टडी ऑन ऑक्यूपेशनल स्ट्रेस एंड मेंटल हेल्थ कॉजिंग वर्नआउट अमंग हाई स्कूल टीचर्स इन तिरुबल्लूर डिस्ट्रिक्ट" पर अध्ययन किया और पाया कि महिला एवं पुरुष शिक्षकों की वर्नआउट प्रवृत्ति में सार्थक अंतर नहीं पाया गया साथ ही बर्न आउट व्यवसायिक तनाव के मध्य नकारात्मक संबंध पाया गया ।

पंचासरा हंसा (2015), ने विभिन्न संकायों के विद्यार्थियों के मध्य आत्म-अवधारणा, समायोजन तथा मानसिक स्वास्थ्य का तुलनात्मक अध्ययन कर यह निष्कर्ष दिया कि आत्म अवधारणा, समायोजन और मानसिक स्वास्थ्य का स्तर उच्च होने पर व्यक्ति सुखी जीवन का आनंद ले सकता है। इससे उनकी परेशानी कम होती है और वे एक प्रगतिशील व्यक्ति बन जाते हैं।

कौर, अमनदीप (2020), ने "कैरियर डिसीजन सेल्फ एफीकेसी अमोंग सीनियर सेकेंडरी स्कूल स्टूडेंट इन रिलेशन टू देयर पैरेंट इनकरेजमेंट एंड इमोशनल मेच्योरिटी" नामक शीर्षक का अध्ययन किया और पाया कि कैरियर के निर्णय के बीच सकारात्मक और महत्वपूर्ण संबंध है। प्रभाव- कारिता भावनात्मक परिपक्वता और माता-पिता का प्रोत्साहन ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों की वरिष्ठ माध्यमिक छात्रों के बीच महत्वपूर्ण अंतर पाया गया।

यादव एस (2018), ने "अचीवमेंट इन मैथमेटिक्स इन रिलेशन टू मैथमेटिक्स एंजायटी सेल्फ एफीकेसी अमोंग सेकेंडरी स्कूल स्टूडेंट का अध्ययन किया और पाया कि आत्म-प्रभावकारिता और गणित बिषय की उपलब्धि में सार्थक संबंध

पाया गया।

कविता (2018), ने "इफेक्ट ऑफ मल्टीमीडिया पैकेज ऑन लर्निंग आउटकम्स कॉग्निटिव स्टाइल एंड सेल्फ एफीकेसी आफ प्रोस्पेक्टिव टीचर" नामक शीर्षक का अध्ययन किया और निष्कर्ष निकाला कि अध्ययन के परिणाम इसमें पूर्व में शोध के अनुरूप थे इसमें कंप्यूटर सॉफ्टवेयर मल्टीमीडिया की तैयारी और सत्यापन में इन सॉफ्टवेयरों की प्रभावशीलता को सीखने के परिणामों में शिक्षकों की प्रभावशीलता पर एक महत्वपूर्ण मल्टीमीडिया पैकेज का प्रभाव सर्वोपरि पाया गया।

कैविला डेरक (2017),ने "शैक्षिक निष्पादन अभिप्रेरणा पर छात्र प्रतिबिंब के प्रभाव" का अध्ययन कर यह निष्कर्ष दिया कि एक शहरी हाई स्कूल अंग्रेजी माध्यम कक्षा में एक प्रतिबिंब उपकरण और छात्रों के शैक्षिक निष्पादन तथा अभिप्रेरणा के स्तर के बीच सकारात्मक संबंध पाया गया।

उमर,एस०एस०शैब,आई० ओ० एतुसी, डी० एन० याकूब एन० ए० और बड़ा ओ (2010),ने "नाइजीरियाई तृतीयक संस्थान में छात्रों के शैक्षिक निष्पादन पर सामाजिक कार्य के प्रभाव का अध्ययन" कर यह निष्कर्ष दिया कि रोमांटिक संबंधों ने अत्यधिक खेल गतिविधियों क्लबों और सामाजिक संगठनों मैं भागीदारी की अपेक्षा शैक्षिक निष्पादन को अत्यधिक प्रभावित किया।

काबरे,एफ० और ब्राउन, यू०जे० (2011),ने "शैक्षिक निष्पादन और कॉलेज के छात्रों के जीवन की गुणवत्ता पर फेसबुक के उपयोग के प्रभाव का अध्ययन" किया तथा यह बताया कि आत्म- प्रभावकारिता और धूम्रपान व्यवहार शैक्षिक निष्पादन के भविष्यवक्ता हैं तथा यह भी स्पष्ट किया कि महिलाओं की अपेक्षा पुरुषों में धूम्रपान करने का व्यवहार अधिक होता है और फेसबुक पर बिताए समय में जीवन की गुणवत्ता तथा शैक्षिक निष्पादन की भविष्यवाणी नहीं करता है।

संबंधित साहित्य के अध्ययन एवं विश्लेषण के पश्चात शोधार्थी ने पाया कि उपर्युक्त शोध अध्ययनों में स्वतंत्र चर सोशल नेटवर्किंग के संबंध में व्यक्तित्व, लिंग, समायोजन, अफवाहों को पहचानने और नियंत्रित करने की तकनीकी, प्रौद्योगिकी स्वीकृति मॉडल व्यक्तित्व और लिंग वायरलेस सेंसर नेटवर्क इत्यादि का उच्च स्तर पर

अध्ययन किया गया, विद्‌यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य पर टीचर्स वर्किंग एवं समायोजन आदि के प्रभाव को देखा गया, विद्‌यार्थियों की आत्मप्रभावकारिता पर कैरियर डिसीजन, मैथमेटिक्स एंजाइटी एवं मल्टीमीडिया पैकेज के प्रभाव का अध्ययन किया गया और शैक्षिक निष्पादन पर छात्र प्रतिबिंब, सामाजिक कार्य व फेसबुक के उपयोग के प्रभाव का अध्ययन किया गया |जबकि शोधार्थी द्‌वारा मानसिक स्वास्थ्य, आत्मप्रभावकारिता एवम् शैक्षिक निष्पादन का उच्च माध्यमिक स्तर पर प्रभाव का अध्ययन किया जायेगा |

(1) त्रिपाठी,दुर्गा (2019) ने सोशल नेटवर्किंग निर्भरता का अध्ययन व्यक्तित्व और लिंग के आधार पर इंजीनियरिंग छात्रों पर किया जबकि शोधार्थी उच्च माध्यमिक स्तर पर सोशल नेटवर्किंग प्रभाव का अध्ययन मानसिक स्वास्थ्य आत्मप्रभावकारिता एवं शैक्षिक निष्पादन पर कर रहा है।

(2) नील मैक्रोल व केविन करन (2015) में 'शिक्षा में सोशल नेटवर्किंग' विषय का अध्ययन किया जबकि शोधार्थी सोशल नेटवर्किंग का अन्य चरों पर प्रभाव का अध्ययन करेगा।

(3) मुदिराज, जी दीपिका (2017) ने अध्यापकों के मानसिक स्वास्थ्य एवं उनके कार्य जीवन की गुणवत्ता का अध्ययन किया, जबकि शोधार्थी विद्‌यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य का अध्ययन करेगा।

(4) कौर, अमनदीप (2020) ने उच्च माध्यमिक स्तर पर विद्‌यार्थियों के कैरियर डिसीजन मेकिंग पर आत्मप्रभावकरिता के प्रभाव का अध्ययन किया, जबकि शोधार्थी सोशल नेटवर्किंग का आत्मप्रभावकारिता पर प्रभाव का अध्ययन करेगा।

(5) उमर, एस० एस० शैव एवं अन्य (2010) ने शैक्षिक निष्पादन पर सामाजिक कार्य के प्रभाव का अध्ययन किया जबकि शोधार्थी सोशल नेटवर्किंग के संबंध में शैक्षिक निष्पादन का अध्ययन करेगा।

(6) कावरे, एफ० एवं अन्य ने (2011) में उच्च शिक्षा स्तर के छात्रों के शैक्षिक निष्पादन पर फेसबुक के उपयोग के प्रभाव का अध्ययन किया जबकि शोधार्थी शैक्षिक निष्पादन पर सोशल नेटवर्किंग के प्रभाव का अध्ययन उच्च माध्यमिक स्तर पर करेगा।

उपर्युक्त अध्ययनों में सोशल नेटवर्किंग मानसिक स्वास्थ्य आत्मप्रभावकारिता एवं शैक्षिक निष्पादन का विभिन्न चरों के साथ अध्ययन किया गया है अतः शोधार्थी ने विचार किया कि सोशल नेटवर्किंग का मानसिक स्वास्थ्य पर आत्मप्रभावकारिता एवं शैक्षिक निष्पादन पर प्रभाव का अध्ययन किया जाए इस आधार पर शोध समस्या का चयन किया गया जिसके लिए उच्च माध्यमिक स्तर का चयन किया गया है।

1.4.0. समस्या कथन

"उच्च माध्यमिक स्तर पर विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य, आत्म प्रभावकारिता और शैक्षिक निष्पादन पर सोशल नेटवर्किंग के प्रभाव का अध्ययन ।"

1.5.0. समस्या कथन में प्रयुक्त शब्दों का परिभाषीकरण

1.5.1. उच्च माध्यमिक स्तर

सैद्धांतिक परिभाषा - वे विद्यालय जो केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा परिषद एवं उत्तर प्रदेश शिक्षा परिषद से मान्यता प्राप्त है जिनमें दो स्तरों पर शिक्षा प्रदान की जाती है प्रथम माध्यमिक स्तर- कक्षा 9 कक्षा 10 तथा द्वितीय उच्च माध्यमिक स्तर- कक्षा 11 व कक्षा 12 |

कार्यात्मक परिभाषा - प्रस्तुत अध्याय में उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों से अभिप्राय कक्षा ग्यारहवीं और बारहवीं में भाग लेने वाले छात्रों से है । वर्तमान अध्ययन के लिए केवल कक्षा 11 को प्रतिनिधि के रूप में माना जाएगा।

1.5.2. सोशल नेटवर्किंग

सैद्धान्तिक परिभाषा - गौलार्ट करेन(2013) के अनुसार," सोशल नेटवर्किंग एक ऐसी वेबसाइट है जो समान रुचियां वाले लोगों को एक साथ आने और जानकारी फोटो और वीडियो साझा करने की अनुमति देती है**|**

कार्यात्मक परिभाषा - प्रस्तुत शोध में सोशल नेटवर्किंग का तात्पर्य उन वेबसाइटों से है जो विभिन्न प्रकार की सामग्री का ऑनलाइन आदान-प्रदान करने के लिए संपर्कों के नेटवर्क के निर्माण की सुविधा प्रदान करती है।

1.5.3. मानसिक स्वास्थ्य

सैद्धान्तिक परिभाषा - हैडफील्ड जे०एस० (1952) के अनुसार,"मानसिक स्वास्थ्य से तात्पर्य है व्यक्ति के संपूर्ण व्यक्तित्व का अपने पूर्ण रूप से अच्छी तरह तालमेल बिठाते हुए कार्य करते रहना।"

कार्यात्मक परिभाषा - प्रस्तुत अध्ययन में मानसिक स्वास्थ्य से अभिप्राय विद्यार्थियों के भावनात्मक मनोवैज्ञानिक एवं सामाजिक समायोजन करने की क्षमता से होगा।

1.5.4. आत्म-प्रभावकारिता

सैद्धान्तिक परिभाषा - अख्तर (2008) के अनुसार,"आत्मप्रभावकरिता वह विश्वास है जो हमारे सामने मौजूद चुनोतियों को पूरा करने और एक कार्य को सफलतापूर्वक पूरा करने की अपनी क्षमताओं में है।"

कार्यात्मक परिभाषा - आत्म-प्रभावकारिता से हमारा आशय किसी व्यक्ति के समक्ष आने वाली शैक्षिक समस्याओं को सफलतापूर्वक सम्पन्न करने में उसके द्वारा किये गए व्यवहार से है।

1.5.5. शैक्षिक निष्पादन

सैद्धान्तिक परिभाषा - एंडरसन और क्रथवोहल (2001) के अनुसार,"शैक्षिक निष्पादन को शिक्षा के एक विशेष क्षेत्र में क्षमता के कई परीक्षणों को पूरा करने के छात्रों के स्तर के निष्पादन के रूप में परिभाषित किया जा सकता है|"

कार्यात्मक परिभाषा - शैक्षिक निष्पादन के रूप में शैक्षिक विषय में अर्जित ज्ञान और कौशल से है। जिसमें किसी निश्चित कार्य क्षेत्र में अर्जित ज्ञान की मात्रात्मक योग्यता है।

1.6.0. अध्ययन के उद्देश्य

(1)उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य पर सोशल नेटवर्किंग के प्रभाव का अध्ययन करना।

(2) उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की आत्मप्रभावकारिता पर सोशल नेटवर्किंग के प्रभाव का अध्ययन करना।

(3) उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के शैक्षिक निष्पादन पर सोशल नेटवर्किंग के प्रभाव का अध्ययन करना।

(4) उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य पर सोशल नेटवर्किंग के प्रयोग हेतु प्रदत्त समय के प्रभाव का अध्ययन करना।

(5) उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की आत्मप्रभावकारिता पर सोशल नेटवर्किंग के प्रयोग हेतु प्रदत्त समय के प्रभाव का अध्ययन करना।

(6) उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के शैक्षिक निष्पादन पर सोशल नेटवर्किंग के प्रयोग हेतु प्रदत्त समय के प्रभाव का अध्ययन करना।

(7) उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य पर सोशल नेटवर्किंग साइट्स के विभिन्न प्रकार के प्रभाव का अध्ययन करना।

(8) उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की आत्मप्रभावकारिता पर सोशल नेटवर्किंग साइट्स के विभिन्न प्रकार के प्रभाव का अध्ययन करना।

(9) उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के शैक्षिक निष्पादन पर सोशल नेटवर्किंग साइट्स के विभिन्न प्रकार के प्रभाव का अध्ययन करना।

1.7.0. अध्ययन की परिकल्पनाएं

(1) उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य पर सोशल नेटवर्किंग का सार्थक प्रभाव पड़ता है।

(2) उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की आत्मप्रभावकारिता पर सोशल नेटवर्किंग का सार्थक प्रभाव पड़ता है।

(3) उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के शैक्षिक निष्पादन पर सोशल नेटवर्किंग का सार्थक प्रभाव पड़ता है।

(4) उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य पर सोशल नेटवर्किंग के प्रयोग हेतु प्रदत्त समय का सार्थक प्रभाव पड़ता है।

(5) उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की आत्मप्रभावकारिता पर सोशल नेटवर्किंग के प्रयोग हेतु प्रदत्त समय का सार्थक प्रभाव पड़ता है ।

(6) उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के शैक्षिक निष्पादन पर सोशल नेटवर्किंग के प्रयोग हेतु प्रदत्त समय का सार्थक प्रभाव पड़ता है।

(7) उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य पर सोशल नेटवर्किंग साइट्स के विभिन्न प्रकार का सार्थक प्रभाव पड़ता है।

(8) उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की आत्मप्रभावकारिता पर सोशल नेटवर्किंग साइट्स के विभिन्न प्रकार का सार्थक प्रभाव पड़ता है।

(9) उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के शैक्षिक निष्पादन पर सोशल नेटवर्किंग साइट्स के विभिन्न प्रकार का सार्थक प्रभाव पड़ता है।

1.8.0. अध्ययन में प्रयुक्त चर

1.8.1. स्वतंत्र चर - सोशल नेटवर्किंग, प्रदत्त समय,सोशल नेटवर्किंग साइट्स के प्रकार

1.8.2. आश्रित चर - (1) मानसिक स्वास्थ्य (2) आत्म-प्रभावकारिता (3) शैक्षिक निष्पादन

1.9.0. अध्ययन का परिसीमांकन

(1) प्रस्तुत समस्या के अध्ययन हेतु इटावा जिले के विद्यालयों के विद्यार्थियों को न्यादर्श के रूप में चयनित किया जाएगा।

(2) प्रस्तुत अध्ययन में उच्च माध्यमिक स्तर के कक्षा11 के विद्यार्थियों को ही न्यादर्श के रूप में चयनित किया जाएगा।

(3) प्रस्तुत अध्ययन में कुल 600 विद्यार्थियों को ही चयनित किया जाएगा।

1.10.0. अध्ययन की जनसँख्या,न्यादर्श एवं न्यादर्श प्रतिचयन विधि

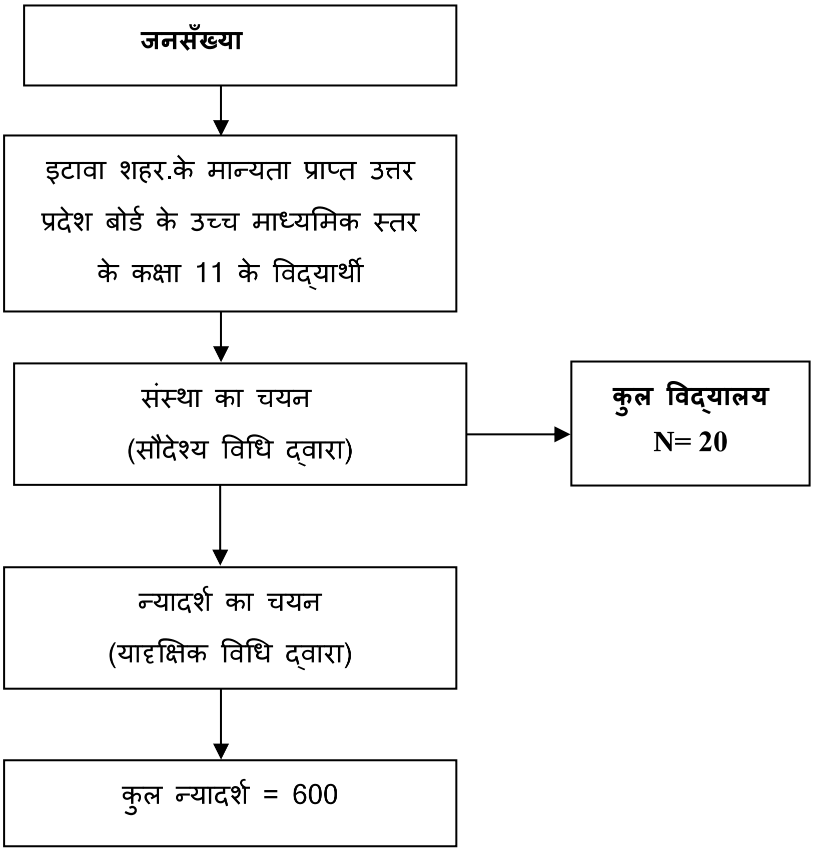

चित्र संख्या 1 : न्यादर्श चयन प्रक्रिया

1.10.1. अध्ययन की जनसंख्या - इटावा शहर के उत्तर प्रदेश बोर्ड से संबद्ध उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यार्थी इस अध्ययन की जनसंख्या है।

1.10.2. अध्ययन का न्यादर्श - उच्च माध्यमिक स्तर के कक्षा 11 के विद्यार्थी इस अध्ययन के न्यादर्श है

1.11.0. अध्ययन विधि

प्रस्तुत शोध कार्य पूर्ण करने हेतु शोधार्थी द्वारा वर्णनात्मक सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया जाएगा।

1.12.0. अध्ययन में प्रयोग किये गये उपकरण

शोधकर्ता के द्वारा अध्ययन हेतु चयनित समस्या के संदर्भ में प्रदत्त एकत्रीकरण हेतु निम्नलिखित उपकरणों का प्रयोग किया जाएगा

1.12.1. सोशल नेटवर्किंग - विद्यार्थियों के सोशल नेटवर्किंग की जांच हेतु स्वनिर्मित उपकरण का प्रयोग किया जाएगा।

1.12.2. मानसिक स्वास्थ्य- विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य की जांच हेतु सुषमा तलेसरा व अख्तर वानों द्वारा निर्मित "मेंटल हेल्थ स्केल" उपकरण का प्रयोग किया जाएगा।(2017)

1.12.3. आत्म-प्रभावकारिता- विद्यार्थियों के आत्म -प्रभावकारिता की जांच हेतु जी०पी० माथुर एवं आर०के० भटनागर द्वारा निर्मित "सेल्फ एफीकेसी स्केल उपकरण का प्रयोग किया जाएगा।(2012)

1.12.4. शैक्षिक निष्पादन- विद्यार्थियों के शैक्षिक निष्पादन की जांच के लिए पूर्व परीक्षा के परीक्षा फल को आधार बनाया जाएगा।

1.13.0. सांख्यिकीय प्रविधियाँ

प्रस्तुत शोध कार्य के प्राप्त आंकड़ों को निम्न संखिकीय प्रविधियों द्वारा विश्लेषित किया जायेगा |

1.13.1. वर्णनात्मक सांख्यिकीय प्रविधि - मध्यमान , मानक विचलन

1.13.2. निष्कर्षात्मक सांख्यिकीय प्रविधि - टी-परीक्षण , प्रसरण विश्लेषण

सन्दर्भ ग्रंथ सूची

Action,B., & Koum,J. (2009). WhatsApp. Retrived from https://hi.m.wikipedia.org/wiki/वाट्सऐप

Aksoy,P. Baran,G. (2010). Review of studies aimed at bringing social skills for children in preschool period. Procedia - Social and Behavioral Sciences. DOI:10.1016/j.sbspro.2010.12.214

Anderson & krathwohl. (2001). Bloom’s Taxonomy. Retrived from http://ro.ecu.edu.au/cgi/viewcontent.cgi

Cavilla, Derek . (2017). **The Effects of Student Reflection on Academic Performance and Motivation.** University of Central Florida .https://doi.org/10.1177/2158244017733790

Chen, Steve. (2005). Youtube. Retrived from https://hi.m.wikipedia.org/wiki/यूट्यूब

Dorsey et al,. (2006). Twitter. Retrived from https://hi.m.wikipedia.org/wiki/ट्विटर

Ekta,(2019).Professional commitment of collage teachers in relation to self efficacy teacher effectiveness and continous professional development,Panjab University http://hdl.handle.net/10603/304478

Faycal Kabre & Ulysses J. Brown. (2011). The influence of facebook usage on the academic performance and the quality of life of college students. Journal of Media and Communication Studies , 3(4), 144-150. https://www.researchgate.net/publication/267300131_The_influence_of_Facebook_usage_on_the_academic_performance_and_the_quality_of_life_of_college_students

FemildaJosephin, J. S. (2015). Social network routing with caching for wireless sensor networks. Anna University.http://hdl.handle.net/10603/141762

Goulart, Karen. (2013). Social Network. Retrived from https://searchcio.techtarget.com/definition/social-network

Ismail, A., Mary, A., & Islam E. (2020). Assessing Faculty's Use of Social Network Tools in Libyan Higher Education via a Technology Acceptance Model. IEEE Access, 8, 116415 – 116430. https://ieeexplore.ieee.org/document/9122493/citations#citations

Kabre,F., & Brown,U.J., (2011). The influence of facebook usage on the academic performance and the quality of life of college students. Journal of Media and Communication Studies ,3(4), 144-150. Retrived from https://www.researchgate.net/publication/267300131_The_influence_of_Facebook_usage_on_the_academic_performance_and_the_quality_of_life_of_college_students

Kaur, Amandeep. (2020). Career decision self efficacy among senior secondary school students in relation to their parental encouragement and emotional maturity, Panjab University. http://hdl.handle.net/10603/309884

Kavita. (2018). Effect of multimedia package on learning outcome cognitive style and Self efficacy of prospective teachers, Maharshi Dayanand University. https://shodhganga.inflibnet.ac.in/handle/10603/298721

Kurdek, L. A., & Sinclair, R. J. (1988). Relation of eighth graders' family structure, gender, and family environment with academic performance and school behavior. *Journal of Educational Psychology,*

80(1), 90–94. https://doi.org/10.1037/0022-0663.80.1.90

Kushwaha,S. (2020). Social Networking. Retrived from https://techshindi.com/%E0%A4%B8%E0%A5%8B%E0%A4%B6%E0%A4%B2%E0%A4%A8%E0%A5%87%E0%A4%9F%E0%A4%B5%E0%A4%B0%E0%A5%8D%E0%A4%95%E0%A4%BF%E0%A4%82%E0%A4%97%E0%A4%95%E0%A5%8D%E0%A4%AF%E0%A4%BE%E0%A4%B9%E0%A5%88-what-is-social/

Matthew N. O. Sadiku., Adedamola A. Omotoso., & Sarhan M. Musa. (2019). Social Networking. International Journal of Trend in Scientific Research and Development, 3(3), 126-128. Retrived from https://www.researchgate.net/publication/333695257_Social_Networking#:~:text=A%20social%20networking%20site%20is,and%20interact%20with%20other%20users

Mauryapreeti. (2020). Parshvachitra Vidyalya evam shikshako k amansik swasthya vishesh vidyalayo ka ek adhyayan. University of Lucknow.http://hdl.handle.net/10603/292144

Mudiraj, G.D. (2017). A Study on Mental Health and Quality of Work Life among teachers Working in Corporate Schools. *International Journal of Indian Psychology, 4* (2). https://ijip.in/articledetails/?dip=18-01-192-20170402

Niall, M.C. & Kevin, C. (2015). Social Networking in Education. International Journal of Innovation in the Digital Economy.file:///C:/Users/dell/Downloads/JIDE-SocialNetworkAnalysis%20(3).pdf

Panchasara, H. (2015). A comparative study of self concept adjustment and mental health among students different faculties. Sardar Patel University. Retrived from https://shodhganga.inflibnet.ac.in/handle/10603/50748

Randall, L. M. & Alan, S. B. (2006). The role of social perception in social skill. Behavior Therapy, 12(1), 69-79. https://doi.org/10.1016/S0005-7894(81)80107-4

Santhoshkumar, S. (2020). Effective Techniques to Identify and Control Rumors in Online Social Networks. VIT University. http://hdl.handle.net/10603/308688

Social Networking. (2020). computerguidehindi . Retrived from https://www.computerguidehindi.com/2020/07/blog-post.html?m=1

Systrom, et al,. (2010). Instagram. Retrived from https://bh.m.wikipedia.org/wiki/इंस्टाग्राम

Tripathi, Durga. (2019). A Study of Social Networking Dependency WhatsappSelfieLinkedin As A Function of Personality And Gender. Pt. Ravishankar Shukla University. http://hdl.handle.net/10603/328439

Umar,S.S., et al. (2010). The Effect of Social Factors on Students' Academic Performance in Nigerian Tertiary Institutions. Library Philosophy and Practice (e-journal). https://digitalcommons.unl.edu/libphilprac/334

Vincey, D. & Pugalenthi, N. (2016). A STUDY ON OCCUPATIONAL STRESS AND MENTAL HEALTH CAUSING BURNOUT AMONG HIGH SCHOOL TEACHERS IN THIRUVALLUR DISTRICT. Shanlax International Journal of Education, 4(3). http://www.shanlaxjournals.in/pdf/EDN/V4N3/EDN_V4_N3_002.pdf

Wingham; Measerment of past A Compleashment , journal of social psychology,1950 page 32

Zuckerverg,M., & Saverin,E. (2004). Facebook. Retrived from https://hi.m.wikipedia.org/wiki/फेसबुक

चतुर्वेदी, सुभ्रा एवं मलिक, शशि. (2017).शिक्षा के दार्शनिक एवं सामाजिक परिप्रेक्ष्य. राखी प्रकाशन प्राइवेट लिमिटेड पृ०146

गुप्ता,एस०पी०. एवं गुप्ता अलका; (2015) उच्चतर शिक्षा मनोविज्ञान, शारदा पुस्तक भवन इलाहाबाद, संशोधित संस्करण, पृष्ठ संख्या 374 -375

लाल, रमन बिहारी और मानव रामनिवास; (2004-2005). शिक्षा मनोविज्ञान,रस्तोगी पब्लिकेशंस,शिवाजी रोड मेरठ, प्रथम संस्करण, पृष्ठ संख्या 354

यादव सुरेंद्र (2018) एचीवमेंट इन मैथमेटिक्स इन रिलेशन टू मैथमेटिक्स एंजाइटी एंड सेल्फ एफीकेसी एमोंग एट सेकेंडरी स्कूल स्टूडेंट्स, पीएच.डी थीसिस इन एजुकेशन, बना रस हिंदू यूनिवर्सिटी http://hdl.handle.net/10603/222083

यादव, सुकेश एवं सक्सेना, सविता (2011). शिक्षा के सामाजिक आधार. साहित्य प्रकाशन आगरा पृ० 5